BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034
Class VII – SANSKRIT

तिथि - 16 नवम्बर- 20 नवम्बर
कक्षा - सप्तमी
विषय - संस्कृत

कालान्श - 1

उपविषय - किं किं कुर्यात् (विधिलिङ्ग लकारः)

सहायक सामग्री - ई पाठ - पाठ्यपुस्तिका

शिक्षण अधिगम - प्रस्तुत पाठ द्वारा विधिलिङ्ग लकार प्रयोग से छात्रो का परिचय होगा | छात्र विधिलिङ्ग लकार के नियमो द्वारा वाक्यो मे उनका प्रयोग करने मे सक्षम होगे |

BBPS, PITAMPURA

14 किं किं कुर्यात्
(विधिलिङ् लकारः)

आज्ञार्थक प्रेरणा को **'विधि'** कहते हैं। संस्कृत भाषा में विधिलिङ्लकार का प्रयोग प्रार्थना, इच्छा, निवेदन, चाहिए, संभावना, सुझाव के अर्थ में होता है। विधिलिङ्लकार के प्रत्यय इस प्रकार हैं—

पुरुषः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः	धातु + एत्	धातु + एताम्	धातु + एयुः
	पठ् + एत् = पठेत्	पठ् + एताम् = पठेताम्	पठ् + एयुः = पठेयुः
संज्ञा	बालकः/बालिका/मित्रम्	बालकौ/बालिके/मित्रे	बालकाः/बालिकाः/मित्राणि
सर्वनाम	सः/सा/तत्	तौ / ते / ते	ते / ताः / तानि
	सः पठेत्।	तौ पठेताम्।	ते पठेयुः।
अर्थ	उसे पढ़ना चाहिए।	उन दोनों को पढ़ना चाहिए।	उन सबको पढ़ना चाहिए।
मध्यमः	धातु + एः	धातु + एतम्	धातु + एत
	पठ् + एः = पठेः	पठ् + एतम् = पठेतम्	पठ् + एत = पठेत
	त्वं पठेः।	युवां पठेतम्।	यूयं पठेत।
अर्थ	तुम्हें पढ़ना चाहिए।	तुम दोनों को पढ़ना चाहिए।	तुम सबको पढ़ना चाहिए।
उत्तमः	धातु + एयम्	धातु + एव	धातु + एम
	पठ् + एयम्	पठ् + एव	पठ् + एम
	= पठेयम्	= पठेव	= पठेम
	अहं पठेयम्।	आवां पठेव।	वयं पठेम।
अर्थ	मुझे पढ़ना चाहिए।	हम दोनों को पढ़ना चाहिए।	हम सबको पढ़ना चाहिए।

प्रथमः पुरुषः

सा बालिका नित्यं पठेत्।

ते बालिके उपवनं गच्छेताम्।

ताः बालिकाः प्रार्थनां गायेयुः।

सः बालकः फलं खादेत्।

तौ बालकौ शाकानि खादेताम्।

ते बालकाः दुग्धं पिबेयुः।

तत् मित्रं सत्यं वदेत्।

ते मित्रे गीतं गायेताम्।

तानि मित्राणि देशं रक्षेयुः।

बालकः चतुरः स्यात्।

बालिके कर्तव्यपरायणे स्याताम्।

सर्वे देशभक्ताः स्युः।

सः मार्जनं कुर्यात्।

तौ पठनं कुर्याताम्।

सर्वे गृहकार्यं कुर्युः।

मध्यमः पुरुषः

त्वं बर्गरं न **खादेः**।

युवां पौष्टिकं भोजनं **खादेतम्**।

यूयं गृहं **गच्छेत**।

त्वं नीरोगी **स्याः**।

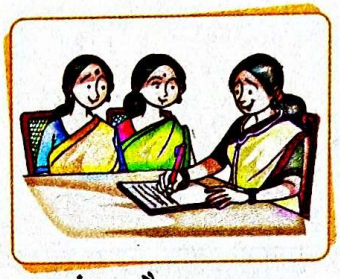

युवां रुग्णौ न **स्यातम्**।

यूयं स्वस्थाः **स्यात**।

त्वं दन्तधावनं **कुर्याः**।

युवां नित्यं स्नानं **कुर्यातम्**।

यूयं देशं स्वच्छं **कुर्यात**।

उत्तमः पुरुषः

हे देव! अहम् उत्तीर्णा **स्याम्**।

हे देव! आवां योग्यौ **स्याव**।

हे देव! वयं स्वस्थाः **स्याम**।

अहं काले शयनं **कुर्याम्**।

आवां काले पठनं **कुर्याव**।

वयं विद्यालयं स्वच्छं **कुर्याम**।

अहं प्रातः जलं **पिबेयम्**।

आवां नित्यम् उद्याने **धावेव**।

वयं भोजनं **पचेम**।

श्लोकाः

❖ दृष्टिपूतं न्यसेत्पादं वस्त्रपूतं जलं पिबेत्।
सत्यपूतां वदेद्वाचं मनः पूतं समाचरेत्॥ 1॥

अन्वयः- दृष्टिपूतं पादं **न्यसेत्**, वस्त्रपूतं जलं **पिबेत्**,
सत्यपूतां वाचं **वदेत्** मनः पूतं **समाचरेत्**॥

❖ सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः॥ 2॥

अन्वयः- सत्यं **ब्रूयात्** प्रियं **ब्रूयात्** अप्रियं सत्यं न **ब्रूयात्**
प्रियम् अनृतं च न **ब्रूयात्**, एषः सनातनः धर्मः॥

❖ सर्वदा व्यवहारे स्यात् औदार्यं सत्यता तथा।
ऋजुता मृदुता चापि कौटिल्यं न कदाचन॥ 3॥

अन्वयः- व्यवहारे सर्वदा औदार्यं सत्यता तथा ऋजुता
मृदुता च अपि **स्यात्** (व्यवहारे) कौटिल्यं कदाचन न (**स्यात्**)।

पाठ का हिंदी सार

प्रथम पुरुष

उस लड़की को नित्य पढ़ना चाहिए।

उन दोनों लड़कियों को बगीचे में जाना चाहिए।

उन सब लड़कियों को प्रार्थना गानी चाहिए।

उस बालक को फल खाना चाहिए।

उन दोनों बालकों को सब्ज़ियाँ खानी चाहिए।

उन सब बच्चों को दूध पीना चाहिए।

उस मित्र को सच बोलना चाहिए।

उन दोनों मित्रों को गीत गाना चाहिए।

उन सब मित्रों को देश की रक्षा करनी चाहिए।

बालक को चतुर होना चाहिए।

दो लड़कियों को कर्तव्यपरायण होना चाहिए।

सबको देशभक्त होना चाहिए।

उसे सफ़ाई करनी चाहिए।

उन दोनों को पढ़ाई करनी चाहिए।

सबको गृहकार्य करना चाहिए।

मध्यम पुरुष

तुम्हें बर्गर नहीं खाना चाहिए।
तुम दोनों को पौष्टिक खाना खाना चाहिए।
तुम सबको घर जाना चाहिए।
तुम्हें रोगरहित होना चाहिए।
तुम दोनों को बीमार नहीं होना चाहिए।
तुम सबको स्वस्थ होना चाहिए।
तुम्हें दाँत साफ़ करने चाहिए।
तुम दोनों को नित्य स्नान करना चाहिए।
तुम सबको देश को स्वच्छ करना चाहिए।

उत्तम पुरुष

हे देव! मैं उत्तीर्ण हो जाऊँ।
हे देव! हम दोनों योग्य हो जाएँ।
हे देव! हम स्वस्थ रहें।
मुझे समय पर सोना चाहिए।
हम दोनों को समय पर पढ़ना चाहिए।
हमें विद्यालय को स्वच्छ करना चाहिए।
मुझे सुबह पानी पीना चाहिए।
हम दोनों को नित्य बगीचे में दौड़ना चाहिए।
हम सबको भोजन पकाना चाहिए।

श्लोक

1. दृष्टि से पवित्र करके पैर रखना चाहिए, वस्त्र से पवित्र (छान) करके जल पीना चाहिए, सत्य से पवित्र करके वचन बोलना चाहिए, मन से पवित्र करके आचरण करना चाहिए।
2. सच बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए, अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए और प्रिय झूठ नहीं बोलना चाहिए। यह सनातन धर्म है।
3. व्यवहार में हमेशा उदारता, सत्यता तथा सरलता और कोमलता भी होनी चाहिए। (व्यवहार में) कुटिलता कभी नहीं (होनी चाहिए)।

1. क. नमेत्
   ख. वदेताम्
   ग. स्या:
   घ. कुर्याम
   ङ. गायेतम्
2. क. यूयम् देशसेवां कुर्यात।
   ख. अहम् मातुः सहायतां कुर्याम्।
   ग. आवाम् समये गृहं गच्छेव।
   घ. तानि मित्राणि सदैव सत्यं वदेयुः।
   ङ. तौ कृषकौ क्षेत्रं जलेन सिञ्चेताम्।

अभ्यासः

1. प्रदत्तवाक्येषु उचितक्रियापदैः रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत। (दिए गए वाक्यों में उचित क्रिया-पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)

Fill in the blanks with the proper verbs from the options.

(क) सः प्रतिदिनं पितरं मातरं च ..... ।

(i) नमेः (ii) नमेताम् (iii) नमेत्

(ख) ते कन्ये सत्यं ..... ।

(i) वदेताम् (ii) वदेतम् (iii) वेदयुः

(ग) त्वम् योग्यः छात्रः ..... ।

(i) स्यात् (ii) स्याः (iii) स्युः

(घ) वयम् कक्षं स्वच्छं ..... ।

(i) कुर्याम (ii) कुर्याम् (iii) कुर्यात्

(ङ) युवां गीतं ..... ।

(i) गायेताम् (ii) गायेः (iii) गायेतम्

2. प्रदत्तकर्तृपदानां क्रियापदैः सह मेलनं कुरुत। (दिए गए कर्ता पदों का क्रिया-पदों के साथ मिलान कीजिए।)

Match the subjects with their verbs.

कर्तृपदानि	क्रियापदानि
(क) यूयम्	मातुः सहायतां कुर्याम्।
(ख) अहम्	देशसेवां कुर्यात।
(ग) आवाम्	सदैव सत्यं वदेयुः।
(घ) तानि मित्राणि	क्षेत्रं जलेन सिञ्चेताम्।
(ङ) तौ कृषकौ	समये गृहं गच्छेव।

3. प्रदत्तवाक्येषु उचितं कर्तृपदं मञ्जूषायाः चित्वा लिखत। (दिए गए वाक्यों में उचित कर्ता-पद को मञ्जूषा से चुनकर लिखिए।)

Write suitable subjects in the blanks from the given words in the box.

मञ्जूषा—बालिका, युवां, मित्रे, अहं, वयं

(क) ..... दूरदर्शनं पश्येताम्।

(ख) ..... दूरभाषेण वार्तां न कुर्यातम्।

(ग) ..... सत्यं वदेयम्।

(घ) ..... देशं स्वच्छं कुर्याम।

(ङ) ..... पितामहीं प्रणमेत्।

4. प्रदत्तप्रश्नान् एकपदेन उत्तरत। (दिए गए प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर दीजिए।)

Write the answers of the following questions in one word.

(क) ताः बालिकाः कां गायेयुः ? .....

(ख) दृष्टिपूतं कं न्यसेत् ? .....

(ग) व्यवहारे कदाचन किं न भवेत् ? .....

(घ) कीदृशीं वाचं वदेत् ? .....

(ङ) वस्त्रपूतं किं पिबेत् ? .....

5. प्रदत्तवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत। (दिए गए वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए।)

Translate the following sentences into Sanskrit.

(क) मुझे दूध पीना चाहिए। .....

(ख) उसे भोजन पकाना चाहिए। .....

(ग) तुम सबको समय पर पढ़ना चाहिए। .....

(घ) हमें प्रिय सत्य बोलना चाहिए। .....

(ङ) हम दोनों को स्वस्थ रहना चाहिए। .....